

Obsah

| | |
|---|----|
| Básně z let 1970–2014 | 3 |
| *** (Šťastně se zubí) | 5 |
| *** (Kravičko moje)..... | 6 |
| O stromech | 7 |
| *** (Jsi potůček)..... | 8 |
| *** (Tam kde sečíno)..... | 9 |
| Dědkové mého dětství | 10 |
| O jedné májce | 11 |
| *** (Jsem na drátě) | 12 |
| *** (Přišel jsem) | 13 |
| Na stojce | 14 |
| V bufetu plovárny | 15 |
| Prodavači ryb | 16 |
| Už je to tady!..... | 17 |
| Moštárna | 19 |
| Plnou parou vpřed! | 20 |
| Dvojník | 21 |
| Zření. | 22 |
| *** (V každý ženský) | 23 |
| Zpověď staré ženy | 24 |
| *** (Jestli jsem ti byl nevěrný?) | 25 |
| *** (Až mne opustíš) | 27 |
| *** (Copak se, táto)..... | 28 |
| *** (Boty u cizích dveří)..... | 29 |
| *** (Krajinou musíš) | 30 |
| *** (Počínal jsem si) | 31 |
| *** (Je ráno štiplavé)..... | 32 |

| | |
|--------------------------------------|-----------|
| Z Volyňska | 33 |
| *** (Vítr se odrazil) | 34 |
| *** (Se smíchem rýžoval jsem) | 35 |
| Na rybách | 36 |
| Wrocław | 37 |
| *** (Pozornost je světlo) | 39 |
| *** (Zkrvavený špalek) | 40 |
| Z deníku | 41 |
| *** (Snáší se na mne noc) | 43 |
| *** (Přileťte, ptáčekové milí) | 44 |
| *** (Jako uhranutý) | 45 |
| Poslední | 46 |
| | |
| Texty písní | 47 |
| Zas je tu den | 49 |
| Chtěl bych | 51 |
| Jak madona | 52 |
| Nebraňte mi... .. | 54 |
| Chvilíčka | 55 |
| Tu krajinu dávnou... .. | 56 |